प्राचीन भारत में सैन्य व्यवस्था : एक सर्वेक्षण

डॉ० शशिशेखर झा

राजनीतिक, सामाजिक, आर्थिक एवं धार्मिक कारकों की तरह सैन्य कारक भी सभ्यता के उत्थान और पतन में महत्वपूर्ण व निर्णायक भूमिका निभाता हैं सैन्य इतिहास ऐतिहासिक अध्ययन की लोकप्रिय शाखा है जिसमें युद्धकाल के साथ–साथ शान्ति काल में भी सेना के सभी रूपों यथा थल सेना, नौ सेना व वायु सेना की समस्त गतिविधियों को सम्मिलित किया जाता है।

विश्व की प्राचीन सभ्यताओं में से एक हड़प्पा सभ्यता के नगरों मोहनजोदड़ो तथा अन्य स्थानों से नगर की चारदिवारी एवम् चौकीदारों के घरों के साक्ष्य प्राप्त हुए है। इससे सिद्ध होता है कि विकास के प्रारम्भिक चरण में भी मनुष्य सुरक्षा के प्रति पूर्णतया सजग था। हड़प्पा सभ्यता की लिपि के न पढ़े जाने के कारण इस समय की सैन्य व्यवस्था के बारे में अभी तक पूर्णतया जानकारी प्राप्त नहीं हो पाई है। हड़प्पा संस्कृति के विनाश के कारणों में एक संभावित कारण आर्यो का आक्रमण भी माना जाता है। आर्यो के आगमन के साथ ही वैदिक काल की शुरूआत भी मानी जाती है। वैदिक काल के इतिहास की जानकारी के लिए केवल साहित्यिक सामग्री ही उपलब्ध है। इन साहित्यिक स्त्रोंतों का प्रमुख विषय धर्म एवम् दर्शन ही हैं। परन्तु प्रसंगवश इनमें सैन्य सूचनाएँ भी प्राप्त होती है।